हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 338 | देहरादून मंगलवार 03 मार्च 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

लोक गीतों की धुनों के बीच सीएम आवास में निखरे होली के रंग

-होली मिलन कार्यक्रम में जुटे गढ़वाल-कुमाऊं से लेकर जौनसार तक के कलाकार'
- मुख्यमंत्री आवास में सोमवार को होली के रंगों की बहार नजर आई।

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री आवास का प्रांगण सोमवार को होली के रंगों में सराबोर नजर आया। इस दौरान प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और एकता के भी दर्शन हुए। प्रदेश भर से आए लोक कलाकारों और होल्यारों ने अपनी अपनी धुनों से माहौल को उत्सवमय कर दिया। इस दौरान एक तरफ, हारूल नृत्य करते जौनसारी कलाकार थे तो दूसरी तरफ, अपनी ही धुन में मगन होली गीत गाते कुमांउनी होल्यारों की टीम। इन सबके बीच पौड़ी जिले के राठ क्षेत्र से आई सांस्कृतिक टोली ने भी अपना रंग जमाया। इस दौरान आम और खास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को रंग लगाकर शुभकामनाएं प्रेषित की। पूर्वाह्न से ही प्रदेश भर के लोक कलाकारों, संस्कृति कर्मियों की टोलियां होली गायन करते हुए, सीएम आवास पहुंचती रही। एक तरफ गढ़वाल-कुमाऊं से लेकर जौनसार तक का होली गायन था, नृत्य था। इस दौरान होली के गीत गूंजे। पारंपरिक गायन हुआ। ढोल, मंजीरे बजे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की संगत ने होली गीतों के प्रभाव को और बढ़ा दिया। आओ दगड़ियो, नाचा गावा, आ गई रंगीली होली का आह्वान यदि कुमांउ से आए कलाकारों ने किया, तो राठ क्षेत्र के कलाकारों ने गाया-आई डान्ड्यू बसंत, डाली मा मौल्यार। इस दौरान जो भी यहां पहुंचा लोक के रंगों में खो गया। लोक संस्कृति का वह प्रभाव भी था, जो उत्तराखंड को सांस्कृतिक तौर पर विशिष्टता प्रदान करता है। लोक कलाकार इस बात से बेहद खुश दिखे कि उन्हें विशेष तौर पर बुलाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर ने इस मौके पर कहा कि लोक संस्कृति पर सीएम अच्छा काम कर रहे हैं। राज्य सरकार लोक संस्कृति को बढ़ावा देते हुए, लोक कलाकारों को संरक्षण प्रदान कर रही है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं,

सिंह धामी भी लोक कलाकारों के संग होली के रंगों में पूरी तरह से रंगे नजर आए। मुख्यमंत्री खुद लोक कलाकारों के साथ थिरकने को मजबूर हो गए।लोक संस्कृति पर सीएम कर रहे अच्छा काम: उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों से आए लोक कलाकारों बल्कि आपसी विश्वास, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला उत्सव है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विविधता हमारी शक्ति है और ऐसे आयोजन हमारी पारंपरिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने का माध्यम बनते हैं।

हवाई जहाज का फर्जी टिकट देने में एनसीआर की एजेंसी पर केस

देहरादून(संवाददाता)। इथियोपियन एयरलाइंस का फर्जी टिकट थमाकर एनसीआर की एजेंसी ने 1.65 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत पर बसंत विहार थाना पुलिस ने रविवार को एजेंसी संचालकों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ बसंत विहार अशोक राठौर ने बताया कि न्यू फॉरेस्ट, महारानी बाग निवासी नवीन कुमार शर्मा ने तहरीर दी। बताया कि उन्होंने अदिगुरु ट्रेवल इंडिया नोएडा-दिल्ली से संपर्क कर इथियोपियन एयरलाइंस का टिकट बुक कराया था। इसके एवज में उन्होंने कंपनी के दिल्ली स्थित बैंक खाते में 1 लाख 65 हजार रुपये जमा किए। पैसे मिलने के बाद कंपनी ने उन्हें एक टिकट भेजा।

हिमालय के खूबसूरत ट्रैकिंग रूट्स से परिचित कराएगा टिहरी लेक फेस्टिवल

- आयोजन के दौरान 9 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे ट्रैकिंग अभियान

देहरादून (संवाददाता)। टिहरी के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आगामी 6 से 9 मार्च के बीच आयोजित किए जा रहे टिहरी लेक फेस्टिवल के दौरान, जिले में 9 स्थानों पर ट्रैकिंग अभियान भी संचालित किए जाएंगे। जिसके जरिए प्रतिभागी, हिमालय की खूबसरती का दीदार करने के साथ ही ग्रामीण जनजीवन से भी परिचित होंगे। झील के कारण टिहरी, हाल के समय में वाटर स्पोर्ट्स का बड़ा डेस्टिनेशन बन चुका है। लेकिन टिहरी में इसके अलावा भी पर्यटकों के लिए बहुत कुछ छुपा हुआ है। खासकर पहाड़ी ढलानों, जंगलों और बुग्याल से होकर गुजरने वाले ट्रैकिंग रूट्स। इसलिए जिला प्रशासन टिहरी लेक फेस्टिवल के दौरान पर्यटकों को नया अनुभव दिलाने के लिए 9 स्थानों पर ट्रैकिंग अभियान संचालित करने जा रहा है। उक्त सभी ट्रैकिंग अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे, जिस कारण पर्यटक टिहरी के ग्रामीण जनजीवन से भी परिचित हो सकेंगे। जिलाधिकारी नीतिका खंडेलवाल ने कहा कि इन ट्रैकिंग अभियानों का उद्देश्य केवल साहसिक गतिविधि तक सीमित नहीं है। यह पहल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और टिहरी को एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पर्यटकों के साथ प्रशिक्षित गाइड भी साथ चलेंगे, पर्यटकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए समुचित इंतजाम किए गए हैं। रात में एस्ट्रो नाइट : फेस्टिवल के दौरान 'एस्ट्रो नाइट' का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें साफ आसमान के नीचे तारों का अवलोकन कराया जाएगा। दिन में ट्रैकिंग और रात में तारामंडल का अनुभव यह संयोजन प्रतिभागियों को प्रकृति से गहरे जुड़ाव का अवसर देगा। टिहरी जिला प्रशासन और उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किए जा रहे टिहरी लेक फेस्टिवल का शुभारंभ 6 मार्च को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों किया जाना प्रस्तावित है।

संक्षिप्त समाचार...

फ्लैट में घुसकर महिलाओं से अभद्रता और तोड़फोड़ में महिला पर केस

देहरादून(संवाददाता)। कैंट कोतवाली पुलिस ने पंडितवाड़ी स्थित कैलाश पाम स्ट्रीट सोसायटी के एक फ्लैट में रात के समय जबरन घुसकर मेहमानों से गाली-गलौज, महिलाओं से अभद्रता और तोड़फोड़ करने के आरोप में एक महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कैलाश पाम स्ट्रीट डेवलपर्स के निदेशक राकेश सूरी की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार उनकी सोसायटी में रहने वाली शिखा काम्बोज का व्यवहार झगड़ालू है। आरोप है कि 25 फरवरी की रात करीब दो बजे शिखा उनके निजी फ्लैट में जबरन घुस गईं। जहां टेंडर के काम से आए उनके छह मेहमान रुके हुए थे। शिखा ने गंदे आरोप लगाते हुए वीडियो बनाई। गाली-गलौज की और वहां रखा सामान व शीशे की मेज तोड़ दी।

विजयी प्रत्याशियों को संघर्ष समिति ने दी बधाई

देहरादून(संवाददाता)। नेताजी संघर्ष समिति ने उत्तराखंड बार काउंसिल चुनाव में देहरादून जनपद से विजयी हुए सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी हैं। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष व राज्य आंदोलनकारी प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने सोमवार को संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह खुशी जताई। पदाधिकारियों ने नव-निर्वाचित सदस्यों से उम्मीद जताई है कि वे अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए वादकारियों के हितों का विशेष ध्यान रखेंगे और किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। डंडरियाल व वारसी ने विश्वास जताया कि नए सदस्य न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के चौंबरों की समस्या का समाधान निकालने के साथ ही अनावश्यक हड़तालों पर रोक लगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है।समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति-जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल-पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्वख्र अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधीख्र दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है।एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना शहां में हां मिलाता ढ्ढख्र उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनानाख्र महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी।लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थनख्र मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र-सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है।

निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है।हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देनेख्र जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृतख्र से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार-बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी।राहुल की यह अराजक शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रेस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने-अनजाने में राहुल देशविरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते है। सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है।इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने अपने एजेंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और उसे बचाने के लिए श्पश्चिमी हस्तक्षेप्ध्र अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार-तंत्र का हथियार बन जाते है।

बांग्लादेश हो या श्रीलंका या नेपाल- सवाल वही

सत्येन्द्र रंजन

बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। क्या बिना ऐसी संगठित पार्टी की मौजूदगी के- जिसके पास स्पष्ट विचारधारा और सुपरिभाषित संगठन हो- कोई ऐसा परिवर्तन हो सकता है, जिससे मूलभूत ढांचा बदले और आम जन के जीवन स्तर में सुधार का मार्ग प्रशस्त हो?बांग्लादेश में अगस्त 2024 जन व्रिदोह हुआ। अगुआई छात्रों ने की, जिनके पीछे आवाम का बहुत बड़ा हिस्सा लामबंद हुआ। उन सबकी शिकायत थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद तानाशाह बन गई हैं, उन्होंने लगातार तीन आम चुनाव चुरा लिए, उनके शासनकाल में सिर्फ उनसे जुड़े लोगों का भला हो रहा है, सवाल पूछने वालों को सताया जाता है, इत्यादि। इन सबसे लोगों में असंतोष भरता गया और जब उसका विस्फोट हुआ, तो शेख हसीना को देश छोड़ कर भागना पड़ा। उनकी पार्टी- अवामी लीग के जो लोग देश में रह गए, उन्हें लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा। पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बनी अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को प्रतिबंधित अवस्था में डाल दिया। 12 मई 2026 को हुए आम चुनाव में ये पार्टी भाग नहीं ले सकी।उपरोक्त घटनाओं से शेख हसीना, उनके परिवार और उनकी पार्टी से नाराज लोगों को तसल्ली मिली होगी। लेकिन अब जबकि नए चुनाव के नतीजे सामने हैं, तो विवेकशील लोग यह सोचने को मजबूर होंगे कि इतनी बड़ी उथल-पुथल से आखिर हासिल क्या हुआ? दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में आखिर नयापन क्या है? पार्टी की स्थापना सैन्य तख्ता पलट के जरिए सत्ता में आए जनरल जियाउल रहमान ने की थी। उनकी हत्या के बाद उनकी पत्नी बेगम खालिदा जिया ने पार्टी की कमान संभाली और दो बार प्रधानमंत्री रहीं। अब उन दोनों के बेटे तारीक रहमान उस पद पर पहुंचे हैं।तो एक राजनीतिक परिवार को भगाने का परिणाम दूसरे राजनीतिक परिवार की सत्ता में वापसी के रूप में सामने आया है। अतीत में दोनों की पार्टियां महज उन परिवारों की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा को साधने का जरिया बनी रही हैं, जैसाकि दक्षिण एशिया के दूसरे देशों में भी होता रहा है। ये पार्टियां आर्थिक-सामाजिक निहित स्वार्थों की नुमाइंदगी करती हैं और असल में वे ही उनकी ताकत का आधार हैं। वे ताकतें अपनी राजनीतिक वफादारी वक्त के साथ बदलती रहती हैं।शेख हसीना अगर सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया को बाधित नहीं करतीं, तो संभव है कि 2014, 2019 या 2024 के किसी आम चुनाव में सत्ता बदल के आम चलन के तहत ही बीएनपी की सरकार बन गई होती। जन विद्रोह हुआ, तो इसलिए कि शेख हसीना ने अनुचित तरीके अपना कर चुनाव के जरे सत्ता हस्तांतरण संभव नहीं होने दिया। तो क्या यह समझा जाए कि जिस जन विद्रोह में लगभग 1400 लोगों की जान गई, उसका मकसद सिर्फ बीएनपी को सत्ता में वापस लाना था? उसी बीएनपी को, जिसके पास देश को नई दिशा देने या लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की कोई ठोस योजना नहीं रही है। असल में अपने अनुदार नजरिए और महजबी कट्टरपंथ से अपने रिश्तों के कारण अतीत में वह अवामी लीग की तुलना में कामकाजी जनता के हितों के अधिक खिलाफ नजर आई है।अब हकीकत यह है कि बांग्लादेश की सियासत कंजरवेटिव बीएनपी और धार्मिक कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के बीच बंट गई है। बहस के मुद्दे बांग्लादेश के पुराने संविधान को कायम रखने या शरिया कानून से प्रभावित अधिक इस्लामी ढंग से शासन चलाने के बीच सिमट गए हैं। क्या ऐसे ही बदलाव की आकांक्षा लिए बांग्लादेश के छात्र शेख हसीना के खिलाफ लामबंद हुए थे?ये बड़े, लेकिन बेहद आम किस्म के सवाल हैं। ये प्रश्न हर उस देश में वैसी घटना के बाद उठते हैं, जब कोई तानाशाह या आम सरकार जन-आक्रोश की भेंट चढ़ जाती है- जैसाकि पिछले सितंबर में नेपाल में और 2022 के मध्य में श्रीलंका में हुआ था।

अब बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। नेपाल में पिछले सितंबर में कथित जेन-जी प्रतिरोध ने इतना भीषण रूप ग्रहण किया कि तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। वहां भीड़ ने अनेक राजनेताओं की सरेआम पिटाई की और सत्ता के केंद्र एवं प्रतीक भवनों को जला दिया गया। हालांकि प्रतिरोध सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर रोक लगाए जाने के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही उसने जारी राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ पूर्ण विद्रोह का रूप ग्रहण कर लिया। बताया गया कि नौजवान अपने लिए फैलती अवसरहीनता के बीच राजनेताओं और उनके बाल-बच्चों की आलीशान जिंदगी से नाराज थे, जिसका खुला इजहार उन्होंने सड़कों पर उतर कर किया।

श्रीलंका और बांग्लादेश में हुए ऐसे ही विद्रोह से नेपाल का घटनाक्रम इस मामले में ही अलग था कि वहां के सत्ताधारी राजनेता को देश छोड़ कर नहीं भागे। कुछ समय के लिए वे पृष्ठभूमि में चले गए। इस दौरान एक नया प्रयोग यह हुआ कि जेनेरेशन-जेड के उभरे चेहरों ने सोशल मीडिया ऐप डिस्कॉर्ड के जरिए नई सरकार के मुखिया का चयन किया। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। उसी कार्की सरकार की देखरेख में वहां चुनाव कराए जा रहे हैं।

लेकिन चुनाव मुकाबले में फिर से वही चेहरे लौट आए हैं, जिन्हें हटाने के लिए जेन-जी और अन्य पीढ़ियों के लोगों ने उथल-पुथल मचाई थी। जो नया चेहरा सामने है, वह भी जेन-जी आंदोलन से नहीं उभरा। बल्कि उसके पहले सोशल मीडिया के जरिए बनी लोकप्रियता के आधार पर काठमांडू का मेयर बन चुका था। ये बालेन शाह हैं, जिन्होंने अपना करियर रैप म्यूजिक से निर्मित कियारैपर के रूप में उन्होंने पारंपरिक राजनेताओं और राजनीति का मखौल उड़ाया। इससे इतनी लोकप्रियता मिली कि नेपाल की राजधानी के लोगों ने उन्हें मेयर चुन लिया। मगर किसी को यह नहीं मालूम कि बालेन शाह के पास देश के विकास एवं जन कल्याण का क्या कार्यक्रम है? उनकी विचारधारा क्या है या देश के बारे में उनकी परिकल्पना क्या है? इसके बावजूद पिछले आम चुनाव में अचानक उभरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है।इस पार्टी की कथा भी अजीब है। इसकी स्थापना 2022 में हुई। इसके संस्थापक रवि लामिछाने हैं, जो पहले एक लोकप्रिय पत्रकार और टीवी होस्ट थे। पार्टी की विचारधारा के बारे में ज्यादा कुछ मालूम नहीं है, लेकिन 2022 के आम चुनाव में उसका भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडा लोकप्रिय हुआ, जिसे युवाओं का भारी समर्थन मिला। उस चुनाव में 21 सीटें जीत कर आरएसपी ने चौथी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा पाया।गठबंधन की राजनीति में सत्ता का सुख भोगने के लिए इतनी सीटें काफी होती हैं, तो लामिछाने चुनाव के बाद बनी सरकार में गृह मंत्री बन गए। लेकिन उन पर सहकारी घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा। यह मामला नेपाल में सहकारी संस्थाओं में जुड़ी वित्तीय हेरफेर और धोखाधड़ी से संबंधित था। मामला इतना भड़का कि लामिछाने को जेल जाना पड़ा। मगर जेन-जी आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जेल पर धावा बोल कर रवि लामिछाने समेत 1500 से अधिक कैदियों को रिहा करा लिया। अब लामिछाने की पार्टी सत्ता के प्रमुख दावेदारों में शामिल होकर चुनाव लड़ रही है।चूंकि बालेन शाह की अपनी कोई पार्टी नहीं थी, तो वे आरएसपी में शामिल हो गए। चूंकि लामिछाने की छवि धूमिल हो गई थी, तो उन्होंने बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। यानी यह सुविधा का रिश्ता है, मगर नेपाल में फिलहाल यही एक नया विकल्प है। बाकी पार्टियां वही हैं, जो राजशाही के खात्मे के बाद से सत्ता में भागीदार रही हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

मालदेवता दुर्घटना में मृत युवक के परिजनों से मिले मंत्री गणेश जोशी, हर संभव सहायता का दिया भरोसा

देहरादून(संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी आज मालदेवता क्षेत्र पहुंचे, जहां बीती देर रात्रि रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत शेरकी गांव में डंपर की चपेट में आने से 17 वर्षीय युवक की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने परिजनों को ढाढस बंधाते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उन्होंने दिवंगत युवक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।काबीना मंत्री जोशी ने जिलाधिकारी टिहरी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून से दूरभाष के माध्यम से वार्ता कर ऐसी घटना होने के कारण पर अंकुश लगाने और भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस बाबत कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और सरकार की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

दून अस्पताल : ब्लड बैंक के केस में पैरवी को कर्मचारी नामित

देहरादून(संवाददाता)। दून अस्पताल के ब्लड बैंक में केशव कंडारी केस मामले में श्रम न्यायालय द्वारा दस्तावेजों को लेकर नाराजगी जताने के मामले में अब प्रबंधन हरकत में आया है। एमएस डॉ. आरएस बिष्ट की ओर से लिपिक मुकेश गुसाई, ब्लड बैंक की एसो. प्रोफेसर डॉ. नेहा बत्रा की ओर से तकनीशियन गणेश गोदियाल को केशव कंडारी प्रकरण में श्रम न्यायालय में पैरवी को नामित किया गया है। इस केस में श्रम न्यायालय द्वारा दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर नाराजगी जताई थी, केस की फाइल भी गुम है। मामले में प्रभारी डॉ. शशि उप्रेती ने इस केस से उनको विरत रखने का अनुरोध प्रबंधन किया था। क्योंकि यह केस डॉ. नेहा बत्रा के प्रभारी रहते हुए ही सामने आया था। केस से संबंधित फाइल गुम होने पर भी डॉ. नेहा की तरफ से ही पुलिस को सूचना दी गई है। अब प्राचार्य ने डॉ. नेहा को ही ब्लड बैंक का प्रभारी बनाया है। हालांकि डॉ. शशि के छुट्टी होने उन्हें प्रभार नहीं मिल सका है। बता दें कि ब्लड बैंक में लगातार विवाद सामने आते रहे हैं और यहां डॉक्टरों में समन्वय नहीं है। एमएस डॉ. आरएस बिष्ट बोले, श्रम न्यायालय में प्रभावी पैरवी के लिए नामित कर्मचारियों एवं लीगल सेल को कहा गया है।

ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून(संवाददाता)। सीपीआईएम ने सोमवार को ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का पुतला दहन कर आक्रोश जताया। वक्ताओं ने कहा कि अमेरिकी हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून और ईरान की संप्रभुता का खुला उल्लंघन बताया और कहा कि यह हमला ईरान के साथ चल रही कूटनीतिक वार्ता को नजरअंदाज कर किया गया। इस दौरान पार्टी के राज्य सचिव राजेन्द्र पुरोहित, देहरादून सचिव अनंत आकाश, सीटू के जिला महामंत्री लेखराज, उपाध्यक्ष भगवंत पयाल, एसएफआई के प्रदेश अध्यक्ष नितिन मलेठा, पार्टी नेता गंगाधर नौटियाल सीटू के सचिव अभिषेक भंडारी, कोषाध्यक्ष रविन्द्र नौडियाल, एसएफआइ प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र परमार, जिलामंत्री अय्याज खान, शमा परवीन, विजय रमोला, सावेज अहमद, प्रेमा गढ़िया, सावेज खान, सोनू कुमार, सलिम खान, शराफत अलि, अंश सैफी, अशोक सचदेवा, मेहरबान, नितिन बौठियाल आदि मौजूद रहे।

महिला कांग्रेस ने शहर में रैली निकालकर मंत्री के इस्तीफे की मांग की

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस ने शहर में रैली निकालकर एपस्टीन फाइल के मामले में केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की मांग की। सोमवार को प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से गांधीपार्क-घंटाघर-पल्टन बाजार, तहसील चौक होते हुए रैली निकाली। रैली कांग्रेस कार्यालय पर संपन्न हुई। कांग्रेसियों ने विशेष पोषाक पहनकर विरोध-प्रदर्शन किया और केन्द्रीय मंत्री के इस्तीफे की मांग की। अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि एपस्टिन फाइल में नेताओं के नाम सामने आने की खबरें अत्यंत गंभीर और चिंताजनक हैं। यदि इन फाइलों में किसी भी प्रकार से उनका उल्लेख हुआ है, तो देश की जनता के सामने पूरी सच्चाई आना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि देश की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख से जुड़ा हुआ है। कहा कि प्रकरण की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच हो। केंद्र सरकार इस विषय पर संसद और देश की जनता के सामने स्पष्ट वक्तव्य दे। मार्च में महानगर अध्यक्ष उर्मिला ढौंडियाल थापा, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष आशा मनोरमा शर्मा, महासचिव निधि नेगीअनीता सकलानी आदि उपस्थित थे।

कैंट में गढ़वाल की लोकधुनों पर खेली फूलों की होली

देहरादून(संवाददाता)। कैंट विधानसभा क्षेत्र के बल्लीवाला स्थित वैडिंग पॉइंट में सोमवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें गढ़वाली लोक धुनों के साथ ब्रज की फूलों की होली का उल्लास देखने को मिला। समारोह का शुभारंभ गढ़वाल के प्रसिद्ध लोकगीत "खोली के गणेश" की मंगलध्वनि के साथ हुआ। जिसने पूरे वातावरण को पारंपरिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद राधा-कृष्ण लीला की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। विष्णु अवतार लीला एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मंच को जीवंत बनाए रखा। वृंदावन की प्रसिद्ध फूलों की होली की तर्ज पर पुष्प वर्षा के साथ होली खेली गई, जिससे पूरा परिसर रंग और उमंग से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के अंत में गढ़वाल की पारंपरिक ढोल-दमाऊं की थाप पर 'मोल्यार गढ़वाल होलियारों की टीम' ने ऐसा रंग जमाया कि पूरा पंडाल झूम उठा और लोक संस्कृति की जीवंत छटा ने कार्यक्रम को चरम उत्साह तक पहुँचा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और दिलों की दूरियां मिटाने का अवसर है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने वाला बताया। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर,कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना,राष्ट्रीय संचार सचिव वैभव वालिया, सूर्यकांत धस्माना, संजय शर्मा, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, चरनजीत कौशल, संगीता गुप्ता, पिया थापा, युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता सहित कई लोग मौजूद रहे।

बार काउंसिल का सदस्य बनने पर अधिवक्ता रंजन का किया स्वागत

डोईवाला संवाददाता। अधिवक्ता रंजन सोलंकी बार काउंसिल का सदस्य निर्वाचित होने के बाद पहली बार डोईवाला पहुंचे। डोईवाला के अधिवक्ताओं ने उनका बार प्रांगण पर फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। नवनिर्वाचित बार काउंसिल सदस्य रंजन सोलंकी ने कहा कि यह जीत मेरे अकेले की जीत

नहीं है यह प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं की जीत है उन्होंने मुझे अपना मत दिया है। स्वागत करने वालों में परवादून बार एसोसिएशन डोईवाला अध्यक्ष अधिवक्ता फूल सिंह लोधी, सचिव मनोहर सैनी, उपाध्यक्ष रणबहादुर नेपाली, सह सचिव अब्दुल्ला जुबैर, अशरफ अली, संदीप जोशी, अतर सिंह, भव्या चमोला, मनीष यादव, शाकिर हुसैन, महताब आलम, भास्कर बलोनी, सुरेश भट्ट, शारूख सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

मेयर सौरभ थपलियाल ने नगर निगम कर्मचारियों संग मनाई होली

देहरादून(संवाददाता)। नगर निगम परिसर में सोमवार को मेयर सौरभ थपलियाल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ हर्षोल्लास व भाईचारे के साथ होली मनाई। इस अवसर पर मेयर ने सभी कर्मचारियों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और नगर की स्वच्छता विकास कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। मेयर ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। नगर निगम परिवार निरंतर शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए कार्य कर रहा है। कर्मचारियों की मेहनत एवं समर्पण से ही देहरादून शहर स्वच्छ एवं सुंदर बन रहा है। कार्यक्रम में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पारंपरिक गीत-संगीत के बीच सभी ने मिलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए स्वीकृत की 102 करोड़ की धनराशि

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद ऊधम सिंह नगर के अन्तर्गत उपजिला चिकित्सालय, बाजपुर में 06 नग चिकित्साधिकारियों हेतु आवासीय भवनों के निर्माण कार्यों हेतु ₹ 4 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कुम्भ मेला-2027 के अन्तर्गत ब्वदेजतनबजपवद व्‌ त्तवचवेमक च्वसपबम ब्वउउंदक ब्वदजतवस ब्मदजतम ठनपसकपदह ंज भंतपकूंत क्पेजज. भंतपकूंत न्जजंतांेंदक के नवीन निर्माण कार्य हेतु ₹ 50.27 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के साथ कुम्भ मेला-2027 के अन्तर्गत जनपद हरिद्वार के हर की पैड़ी से ललतारों सेतु तक गलियों का सुधारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु ₹ 9 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के साथ ही लोक निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, लक्सर के स्थान पर स्मार्ट सिटी पीआईयू, लो०नि०वि०, देहरादून से कार्य कराये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अन्तर्गत जनपद हरिद्वार के विधानसभा क्षेत्र खानपुर में असुरक्षित सेतुओं के तहत नारसन-हरजौली-जट मुडलाना-लंडौरा-जौरासी बुग्द्धाहेडी-बजेडी-राजपुताना मोटर मार्ग के कि०मी० 23 में आर०सीसी० सेतु की क्षतिग्रस्त ऐप्रोच का सुरक्षात्मक कार्य हेतु ₹ 6.67 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ₹ 2.67 करोड़, लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण हेतु की गई मांग ₹ 32.50 करोड़ के सापेक्ष ₹ 25 करोड़ की धनराशि राज्य आपदा मोचन निधि के पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्निर्माण मद से अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत की तहसील पूर्णागिरी में हुड्डी नदी की बाढ़ से ग्राम छानीगोठ की सुरक्षा हेतु बाढ़ सुरक्षात्मक दीवार निर्माण कार्य हेतु ₹ 5.75 करोड़ की योजना के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ₹ 2.30 करोड़, जनपद चमोली के विकासखण्ड गैरसैंण में रामगंगा नदी तट पर हो रहे भू-कटाव एवं आवासीय भवनों के बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य हेतु ₹ 6.83 करोड़ के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ₹ 2.74 करोड़, जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड भटवाडी के ग्राम हर्षिल में भागीरथी नदी के दांये तट पर आवासीय एवं अनावासीय भवनों का सुरक्षात्मक कार्य हेतु ₹ 10.24 करोड़ की योजना के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ₹ 4.10 करोड़, के साथ ही जनपद देहरादून के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र धर्मपुर में नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत सुसवा नदी के दोनों तटों पर दूधा देवी पुल के डाउनस्ट्रीम में बाढ़ सुरक्षा योजना हेतु ₹ 4.30 करोड़ की योजना के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ₹ 1.72 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा नगर पंचायत, ईमलीखेड़ा की लीगेसी वेस्ट निस्तारण हेतु 13.90 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोबरियासार, रिखणीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल का नाम शहीद अनुज नेगी के नाम पर रखे जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

अब गाड़ी गांव में भी नहीं बिकेगी शराब

चमोली(संवाददाता)। चमोली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शराब बंदी की मुहिम चल पड़ी है। एक के बाद एक गांव में लोग खुली बैठक में शराबबंदी का निर्णय ले रहे हैं। इसी क्रम में दशोली विकासखंड के गाड़ी गांव में भी शराब को प्रतिबंधित कर दिया गया है। गाड़ी गांव में हुई ग्रामीणों की खुली बैठक में शराबबंदी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। ग्राम प्रधान मंदोधरी देवी और महिला मंगल दल अध्यक्ष शांति देवी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि गांव के किसी भी शादी विवाह या सार्वजनिक कार्यों में शराब प्रतिबंधित रहेगी। शराब परोसने वाले परिवार पर 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। शराब पीकर गांव में आने और माहौल बिगाड़ने वाले व्यक्ति पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। महिलाओं ने कहा कि शराब पीने और पिलाने वाले परिवार व व्यक्ति से सख्ती से निपटा जाएगा। जरूरत पड़ने पर इसमें पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा। बैठक के बाद महिलाओं ने गांव में जागरूकता रैली भी निकाली बैठक में सरपंच पुष्पा देवी, चंदा देवी, मंगला देवी, हेमा देवी, जमुना देवी, जेठुली देवी, रामेश्वरी देवी, उर्मिला देवी, असाड़ी देवी, रजनी देवी, आशा देवी, कमला देवी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने बनाई कमेटी, सुंदर सिंह बने अध्यक्ष : आदिबदरी। तहसील के गांवों में बढ़ते शराब के प्रचलन को रोकने की मुहिम चल रही है। सोमवार को बेड़ी के ग्रामीणों ने भी शराब के प्रचलन का विरोध किया। इसके लिए एक कमेटी का गठन करते हुए सुंदर सिंह को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। ग्राम प्रधान बेड़ी मल्ली जयेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए कहा कि गांव में आयोजित शादी-समारोह में शराब परोसने और पीने पर प्रतिबंध रहेगा। जहां भी शराब परोसी जाएगी उन पर 25 हजार का जुर्माना लगेगा। जुआ खेलने वालों पर पांच हजार रुपये, अवैध शराब बेचने वालों पर 50 हजार रुपये का जुर्माना तथा सामूहिक रूप से कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सामाजिक विकृतियों को रोकने के लिए ग्रामीणों ने कमेटी का गठन करते हुए सुंदर सिंह को अध्यक्ष, बीना देवी सचिव, देवेश्वरी देवी कोषाध्यक्ष और रामी देवी, मंजू देवी, चंदर सिंह, आनंद सिंह को सदस्य मनोनीत किया गया। बैठक में सतेश्वरी देवी, धनुली देवी, कमला देवी, नम्रता देवी, बीना देवी, माहेश्वरी देवी, कामेश्वरी देवी आदि मौजूद थे।

धरना स्थल पर ही होली मनाएंगे गेंवाली गांव के लोग

नई टिहरी(संवाददाता)। लंबित समस्याओं का समाधान नहीं होने से नाराज सीमांत गेंवाली गांव के ग्रामीणों ने चार मार्च को धरना स्थल पर ही होली मनाने का निर्णय लिया है। सात सूत्री मांगों को लेकर 20 फरवरी से चल रहा आंदोलन 11वें दिन में प्रवेश कर चुका है लेकिन अब तक न तो कोई विभागीय अधिकारी गांव पहुंचा और न ही मांगों के समाधान की दिशा में ठोस पहल हुई। सड़क मरम्मत, पुल निर्माण शुरू कराने, मोबाइल टावर स्थापित करने, आपदा प्रभावित 12 परिवारों के पुनर्वास और आपदा से क्षतिग्रस्त जूनियर हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य शुरू करने की मांग को लेकर ग्रामीण लगातार धरने पर डटे हैं। पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत गांव के पंचायती चौक में पिछले 11 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक अधिकारी स्वयं गांव में आकर वार्ता नहीं करते, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। बीते 28 फरवरी से गांव के 20 अन्य लोग भी भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। तीसरे दिन भी उनका अनशन जारी रहा। भूख हड़ताल पर हेमलता, प्रीति, प्रधान बिजेश्वरी देवी, महेश सिंह, सत्येंद्र सिंह, महेश सिंह, सत्ये सिंह रावत, सुंदर लाल, भगवान दास, विनीता देवी, नारायणी देवी बैठी रही। धरना स्थल पर हुई बैठक में में ग्रामीणों ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना उनकी मजबूरी बन चुका है। आपदा के बाद से 12 परिवार पुनर्वास की बाट जोह रहे हैं। सड़क क्षतिग्रस्त होने से आवागमन जोखिमभरा है। मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से संचार व्यवस्था ठप है। जूनियर हाईस्कूल भवन आपदा की भेंट चढ़ने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों के अधिकारी गांव तक आने की जरूरत नहीं समझ रहे हैं।

सड़क और पुल के लिए आमरण अनशन पर बैठे ग्रामीण

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। सड़क निर्माण, नदी पर पुल निर्माण समेत कई लंबित मांगों के लिए ग्राम बड़ेथ, तालजामण, डुंगर, भटवाड़ी, जोला और पातियूं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण बसुकेदार में सोमवार को आमरण अनशन पर बैठ गए। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन भी भेजा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता आंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व में भी कई बार समस्याएं उठाई गई लेकिन केवल आश्वासन मिला। धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ। कहा कि बीते वर्ष 28ख्र-29 अगस्त की आपदा के बाद से अब तक पुनर्निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। ग्राम बड़ेथ के बुगला तोक में प्रस्तावित मिनी स्टेडियम निर्माण लंबित है। बड़ेथ से भटवाड़ी सड़क का सर्वे होने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ।

होली पर लक्ष्य हासिल कर 20 डिपो में श्रीनगर रोडवेज अव्वल

श्रीनगर गढ़वाल(संवाददाता)। होली पर्व पर यात्रियों की भारी भीड़ के बीच उत्तराखंड परिवहन निगम के श्रीनगर रोडवेज डिपो ने आय के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। निगम की ओर से होली को लेकर प्रतिदिन 2.14 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसके सापेक्ष श्रीनगर डिपो ने 1 मार्च को 2 लाख 31 हजार 925 रुपये की आय अर्जित कर निर्धारित लक्ष्य से अधिक लक्ष्य हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ श्रीनगर डिपो पूरे प्रदेश के 20 डिपो में पहले स्थान पर रहा। वहीं चार अन्य डिपो ने भी 102 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया लेकिन श्रीनगर ने सर्वाधिक आय अर्जित कर बाजी मार ली।

लामकंडे की नहर और स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग उठाई

नई टिहरी(संवाददाता)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में दूर-दराज से पहुंचे लोगों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं रखते हुए शीघ्र निस्तारण की मांग की। कार्यक्रम में पेयजल, ग्राम पंचायत,विद्युत और वन विभाग से संबंधित समस्याएं अधिक दर्ज कराई गई। डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों को कार्यक्रम में उठाई गई समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में प्रतापनगर के ल्वारखा गांव से पहुंचे प्रेमलाल ने लंबगांव-बिजपुर-पुजारगांव-डोडग थापला मोटर मार्ग के लिए अधिग्रहण की गई जमीन का मुआवजा दिलाने की मांग की। प्रधान दिनेश सिंह रावत ने लामकंडे की की नहर और प्राथमिक स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग की। भेटी की शीतला देवी ने अपनी मां जी की सहकारी समिति में जमा धनराशि दिलाने की मांग की। जाखणीधार व्यापार मंडल अध्यक्ष गुरु प्रसाद लसियाल ने जल जीवन मिशन के तहत जाखणीधार बाजार में बनाए गए 40 हजार लीटर क्षमता का पेयजल टैंक का भुगतान कराने की मांग की। खोला के प्रधान विरेंद्र लाल ग्राम पंचायत के जल स्रोत से पेयजल उपलब्ध कराने पर ज्यादा बिल वसूलने का आरोप लगाया है। नरेंद्रनगर के कखील गांव निवासी संगीता देवी ने राशन कार्ड और जीराम जी मनरेगा जॉब कार्ड बनाने की मांग की। तल्ली बागी निवासी मौ. आरिफ ने अपने आवास के समीप रिक्त भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग की।

बीए, बीएससी और बीकॉम बैक पेपर का जारी किया रिजल्ट

नई टिहरी संवाददाता श्रीदेव सुमन विवि प्रशासन ने वार्षिक पैटर्न बीए, बीएससी और बीकॉम द्वितीय व तृतीय वर्ष बैक पेपर परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर दिया है। छात्र-छात्राएं विवि की वेबसाइट `केनअ.ब.पद पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। अपने मेले के माध्यम से अपनी अंक तालिका डाउनलोड भी कर सकते हैं। विवि के कुलसचिव दिनेश चंद्रा ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि वार्षिक पैटर्न बीए, बीएससी और बीकॉम द्वितीय व तृतीय वर्ष के सभी विषयों की (अंक सुधार) बैक पेपर परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। कुलसचिव ने बताया कि परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अंक तालिका प्रिंट करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जा रही है। अंक तालिकाएं विवि से संबद्ध कॉलेजों को भेजी जाएगी। अंक तालिका के लिए किसी भी छात्र को विवि मुख्यालय बादशाहीथौल आने की जरूरत नहीं पडेघ्गी। अंक तालिका के लिए छात्र-छात्राएं अपने परीक्षा केंद्र पर संपर्क करते रहे। उन्होंने बताया कि अन्य कक्षाओं का मूल्यांकन का कार्य भी अंतिम चरण में है। 20 मार्च तक विवि ने सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

आरक्षित वन क्षेत्र में होने वाले कार्यों में सरपंचों को मिले वरीयता

चमोली(संवाददाता)। वन पंचायत सरपंच संगठन ने वन पंचायत के समीप आरक्षित वन क्षेत्र (सेंचुरी एरिया) में किए जाने वाले कार्यों में सरपंचों को वरीयता देने, बंदर और सुअर के उत्पात को कम करने के लिए बंदरबाड़ा बनाने के साथ ही कई मांगें उठाई। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा गया कि वे वन पंचायत की भूमि पर वन विभाग की ओर से किए जाने वाले कार्यों की कोई सूचना नहीं दी जाती है। जनपद के वन सरपंचों ने बैठक कर संगठन को मजबूती देने पर जोर दिया। कहा गया कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों में बंदर और लंगूरों का आतंक बढ़ गया है। इनके लिए बाड़े की व्यवस्था की जाए। उन्होंने पालतू सुअरों की नसबंदी करने, पालतू पशुओं व जनहानि का मुआवजा समय पर दिए जाने की मांग भी उठाई। संगठन के जिलाध्यक्ष कैलाश खंडूड़ी ने मांगों के लिए सभी सरपंचों को एकजुट होने का आह्वान किया। इस मौके पर कई वन सरपंच मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण में भी जुटे बाल कवि कार्तिक

चमोली(संवाददाता)। गढ़वाली बोली-भाषा के संरक्षण के साथ ही बाल कवि कार्तिक तिवारी पर्यावरण संरक्षण में भी जुटे हुए हैं। सोमवार को होली पर्व की पूर्व संध्या पर कार्तिक ने बंज्वाणी के जंगल में पौध रोपण कर धरती को हरभरा बनाने और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने का संदेश दिया। कार्तिक अभी तक दो हजार से अधिक पौधों का रोपण कर चुके हैं। श्रीरामचंद्र भट्ट विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गोपेश्वर में नौवीं कक्षा के छात्र कार्तिक (13) को छोटी उम्र से ही पर्यावरण और बोली भाषा के संरक्षण की ललक है। कार्तिक की माता तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित मीना तिवारी भी पर्यावरण संरक्षण में जुटी हैं। कार्तिक भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। कार्तिक अभी तक गढ़वाली बोली-भाषा के संरक्षण पर कई कविताएं भी लिख चुका है। बीते दिनों वसंत उत्सव में राज्यपाल भवन लोक भवन में कार्तिक ने अपना संबोधन गढ़वाली बोली में किया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

आग में जल रहे कुलसारी, देवसारी और सरकोट के जंगल

चमोली(संवाददाता)। क्षेत्र के जंगलों में आए दिन आग लगने से वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है। अब बीते रविवार से सरकोट व देवसारी के जंगल में भीषण आग लगी है। कुलिंग के जंगल में लगी आग बुझाने में वन विभाग की टीम ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने में लगी हुई है। कुलिंग के हुकम सिंह, सेलखोला के हेम मिश्रा, पूर्णा के ललित ने बताया कि जंगलों की आग के कारण क्षेत्र में धुआं छाया हुआ है। आंखों में जलन हो रही है और सांस के रोगियों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं वन दरोगा विजयपाल ने बताया कि पूर्णा के वन पंचायत की आग व कुलिंग की आग बुझा दी गई है। वन विभाग की टीम ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने में लगी है। उन्होंने लोगों से जंगल की आग बुझाने में लोगों से सहयोग की अपील की।

जरूरतमंद बच्चों को उपहार बांटे

चमोली(संवाददाता)। सुबेर सोसाइटी ने नगर क्षेत्र में रह रहे माता-पिता विहीन बच्चों को होली त्योहार पर उपहार सामग्री भेंट की। सोसायटी के अध्यक्ष एडवोकेट नवीन प्रकाश, सचिव सुनील कुमार और मीडिया प्रभारी हिमांशु पंवार ने घर-घर जाकर जरूरतमंद बच्चों को होली त्योहार की सामग्री दी। उन्होंने कहा कि होली जैसे रंगों और खुशियों के पर्व पर संस्था की टीम ने बच्चों के घर पहुंचकर उनके साथ खुशियां बांटीं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा

हल्द्वानी (संवाददाता)। /जनपद में अवैध शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकके निर्देशन में की गई कार्रवाई में थाना बनभूलपुरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में की गई। टीम का नेतृत्व प्रभारी निरीक्षक लालकुआं द्वारा किया गया।96 टेट्रा पैक देसी शराब बरामद दिनांक 01 मार्च 2026 को थाना बनभूलपुरा पुलिस टीम द्वारा नियमित गश्त और शांति व्यवस्था के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध स्थिति में पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 96 टेट्रा पैक माल्टा देसी मसालेदार शराब बरामद की गई।गिरफ्तार आरोपी की पहचान शंकर दत्त (64 वर्ष) निवासी संगम विहार, थाना मुखानी, कुसुमखेड़ा, जनपद नैनीताल के रूप में हुई है। गिरफ्तारी गौला बाईपास रोड स्थित स्लॉटर हाउस के पास बने यात्री विश्रामगृह के निकट की गई।मुकदमा दर्ज, जांच जारीआरोपी के विरुद्ध थाना बनभूलपुरा में मु0 35/2026 के तहत धारा 60 आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

सिमलिया बैंड से हैड़ाखान मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए 1करोड़ 40लाख स्वीकृत जल्दी शुरू होगा डामरीकरण का कार्य-विधायक कैड़ा

भीमताल (संवाददाता)। विधानसभा के ओखलकांडा ब्लॉक के सिमलिया बैंड से हैड़ाखान मोटर मार्ग लम्बे समय से खराब था, जिस कारण ग्रामीणों,

किसानो, को अवागमन मै काफी परेशानियों का समना करना पड़ रहा था, ग्रामीणों ने विधायक राम सिंह कैड़ा से मोटर मार्ग पर डामरीकरण करने की मांग की विध ायक कैड़ा ने जनता की समस्याओं को देखते हुऐ चूक विभाग के अधिकारियो से डीपीआर तैयार कर शासन को भेजनें को कहा था, विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री से मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की मांग की! विधायक की मांग पर मुख्यमंत्री ने मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए 1करोड़ 40लाख स्वीकृति कर जिसका शासन से शासनादेश जारी हो होने के बाद टैण्डर प्रकिया शुरू हो गई है विधायक कैड़ा ने कहा जल्दी ही मोटर मार्ग पर डामरीकरण का कार्य प्रारम्भ कर डामरीकरण का कार्य किया जायेगा! विधायक कैड़ा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है विधायक कैड़ा ने कहा भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी,, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक के क्षतिग्रस्त मोटर मार्गो पर लगातार डामरीकरण करने का कार्य किया जा रहा है!

सुबह-सुबह मुर्गे का कटा हुआ सिर मिलने से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया

किच्छा (संवाददाता)। यहां टैम्पो स्टैंड पर हनुमान मंदिर के बाहर सुबह-सुबह मुर्गे का कटा हुआ सिर मिलने से स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। कई सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोग भी वहां पहुंच गए और मामले की जांच की मांग करने लगे।स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस-प्रशासन की

टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धौनी और किच्छा कोतवाल प्रकाश दानू के नेतृत्व में पुलिस ने हालात को संभाला और लोगों को शांत करने का प्रयास किया।अधिकारियों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके। जांच के दौरान सामने आया कि मंदिर के बाहर किसी शरारती तत्व ने मुर्गे का सिर नहीं रखा था। सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि एक कुत्ता मुंह में मांस का टुकड़ा लेकर घूम रहा था और उसी दौरान वह टुकड़ा मंदिर के बाहर गिर गया। इसी को देखकर लोगों ने गलत अंदेशा लगा लिया था।पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को फुटेज दिखाकर पूरी स्थिति स्पष्ट की, जिसके बाद माहौल शांत हो गया। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी घटना पर बिना पुष्टि के अफवाह न फैलाएं और शांति एवं सौहार्द बनाए रखें। त्वरित जांच और सतर्कता के चलते संभावित तनाव को समय रहते टाल दिया गया।

बाइक सवार दो युवकों की हाथी के हमले से मौत हो गई

हल्द्वानी-(संवाददाता)। रुद्रपुर मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो युवकों की हाथी के हमले से मौत हो गई। घटना 28 फरवरी की रात करीब 11 बजे तराई केंद्रीय वन प्रभाग के हल्द्वानी रेंज क्षेत्र में बेलबाबा मंदिर के पास हुई, जहां अंधेरे में जा रहे दोनों युवक अचानक हाथी की चपेट में आ गए।पुलिस और वन विभाग के अनुसार, बाइक सवार युवक सड़क पर आगे बढ़ रहे थे तभी उनका सामना हाथी से हो गया। टक्कर के बाद गुस्साए हाथी ने उन पर हमला कर दिया। आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।मृतकों की पहचान शकील (26 वर्ष) पुत्र मुन्ना और जाफर निवासी पट्टी बख्श कटरा, शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी गफूर बस्ती, बनभूलपुरा के रूप में हुई है। दोनों हल्द्वानी में कपड़े और आर्टिफिशियल ज्वेलरी का काम करते थे।हल्द्वानी रेंज

के रेंजर ललित जोशी ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस से मिलने के बाद विभागीय टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जानकारी में हाथी के हमले की बात सामने आई है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हर पहलू की समीक्षा की जा रही है।इस हादसे ने क्षेत्र में बढ़ते वन-मानव संघर्ष की गंभीरता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वन्यजीव क्षेत्रों के पास विशेष सावधानी बरतें, रात के समय सतर्क रहें और किसी भी जंगली जानवर के करीब जाने से बचें।

रेस्टोरेंट व्यवसायी गंभीर सड़क हादसे का शिकार हो गए

लालकुआं (संवाददाता)। हल्दूचौड़ स्थित होली मिलन समारोह से वापस लालकुआं लौट रहे नगर के प्रमुख रेस्टोरेंट व्यवसायी गंभीर सड़क हादसे का शिकार हो गए। आईओसी डिपो के सामने हाईवे पर अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर

गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े।बताया जा रहा है कि वार्ड नंबर-1 तहसील कार्यालय मुख्य द्वार निवासी करीब 50 वर्षीय रेस्टोरेंट व्यवसायी ललित भट्ट बीती शाम हल्दूचौड़ में आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।हादसे के बाद घायल अवस्था में सड़क के बीच पड़े ललित भट्ट को हाईवे से गुजर रहे वरिष्ठ पत्रकार रमाकांत पंत तथा मां अर्वतिका कुंज देवी मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित चंद्रशेखर जोशी ने देखा। दोनों ने बिना देर किए मानवता का परिचय देते हुए उन्हें सुरक्षित सड़क किनारे पहुंचाया और तत्काल उन्हें लालकुआं के एक निजी चिकित्सालय पहुंचाया।चिकित्सकों के अनुसार हादसे में उनके सिर, चेहरे तथा हाथ-पांव में गंभीर चोटें आई हैं और उनका उपचार जारी है।नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी के अचानक दुर्घटना में घायल होने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया

रामनगर (संवाददाता)। आयुक्त खाद्य संरक्षा और औषधि प्रशासन उत्तराखंड एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर रामनगर क्षेत्र के पीरूमदारा में किराना एवं मिठाई के एक दर्जन से अधिक विक्रेताओं के खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया।इसके साथ ही दो विक्रेताओं से गुणवत्ता जांच के लिए संदेह के आधार पर गुजिया एवं मैदा का 01-01 खाद्य नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गया है।वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खान ने बताया आगामी त्योहारों होली एवं रमजान को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान स्वामियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री को विक्रय करने,बिना बिल के खरीद न करने और स्टॉक का विवरण रखने,खाद्य सामग्री का विक्रय एवं भंडारण न करने ,अपने स्टोर का नियमित रूप से साफ सफाई और दवाओं का छिड़काव करने के साथ बाजार में रंग बिरंगी बेची जा रही कचरी को विक्रय न करने के विशेष निर्देश दिए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

ग्रीष्मकालीन धान पर प्रतिबंध हटाने को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

रुद्रपुर (संवाददाता)। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के नेतृत्व में जिलेभर से आए किसानों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने ग्रीष्मकालीन धान की फसल पर लगाए गए प्रतिबंध को तत्काल हटाने की मांग की। प्रदर्शन के बाद संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सलविंदर सिंह कलसी के नेतृत्व में किसानों ने एडीएम कौस्तुभ मिश्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया कि सरकार ने पूर्व में कई बार वार्ता कर आश्वासन दिए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मांग की कि वर्ग 1ख और वर्ग 4 समेत सभी श्रेणी की वह भूमि, जिस पर किसान वर्षों से काबिज होकर खेती कर रहे हैं, उसे वर्ष 2000 के सर्किल रेट पर नियमित किया जाए। साथ ही विकासखंड गदरपुर के डलपुरा क्षेत्र में गूलरभोज बांध निर्माण के समय बदले में दी गई भूमि का मालिकाना हक देने और पूर्व की भांति पटवारियों द्वारा कब्जा दर्ज करने की प्रक्रिया पुनः शुरू करने की मांग की गई। किसानों ने ट्यूबवेल संचालन के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर निःशुल्क बिजली व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि ग्रीष्मकालीन धान पर प्रतिबंध से पहले प्रशासन के साथ हुई बैठकों में सीलनयुक्त भूमि को छूट देने, 25 प्रतिशत नमी वाली मक्का की एमएसपी पर खरीद, साइलेज मक्का की अधिक खरीद और छोटे किसानों को डेयरी स्थापना में सहयोग जैसे आश्वासन दिए गए थे, जिन्हें पूरी तरह लागू नहीं किया गया। किसानों का आरोप है कि प्रतिबंध के कारण उन्हें धान 1600 से 2000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच बेचना पड़ा, जिससे लगभग 600 रुपये प्रति क्विंटल तक का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि जिले में कई स्थानों पर स्टोन क्रेशर संचालित हैं, जहां पानी 24 घंटे बहता रहता है और नालियों में बहा दिया जाता है। इन पर रोक लगनी चाहिए, न कि खेतों में उपयोग होने वाले उस पानी पर, जो भूमि द्वारा स्वतः अवशोषित कर लिया जाता है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान विधायक अरविंद पांडे, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीनाथ विश्वास, ममता हलदर, जगरूप सिंह, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी, संतोष सिंह रंधावा, अमन सिंह ढिल्लों, नरवल सिंह, सविंदर सिंह, सुखविंदर सिंह, बलजीत सिंह, राजेंद्र सिंह, अवतार सिंह, धर्मपाल कंबोज, सज्जाद हुसैन और हरपाल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कोटः प्रशासन किसानों को परेशान करना बंद करे। जिलाधिकारी से बात की गई है। किसानों की फसल को नुकसान न पहुंचाया जाए और जल्द बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। सरकार पूर्व में रखी गई मांगों पर पुनर्विचार कर शीघ्र निर्णय ले। न्यायालय के आदेशों पर भी अमल होना चाहिए। -अरविंद पांडे, विधायक, गदरपुर

गढ़वाल राइफल्स से सेवानिवृत्त हुए मोहन सिंह का जोरदार स्वागत किया

रामनगर (संवाददाता)। गढ़वाल कुमाऊ विकास समिति के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत ने बताया कि गढ़वाल राइफल्स से सेवानिवृत्त हुए मोहन सिंह को उनके उज्ज्वल एवं गौरवपूर्ण सैन्य जीवन के लिए बधाई देते हुए उनका जोरदार स्वागत किया।उन्होंने बताया कि 12 गढ़वाल राइफल्स जैसी वीर परंपराओं वाली रेजिमेंट में रहकर आपने मातृभूमि की रक्षा, अनुशासन और समर्पण का जो अद्वितीय उदाहरण दिया है।वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। देश की सीमाओं पर उनकी निष्ठा, साहस और त्याग ने राष्ट्र को सुरक्षित और गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि उनका यह योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। सेना की वर्दी भले ही आज औपचारिक रूप से उतरी हो, लेकिन देशसेवा का उनका यह जज्बा सदैव हम सबके दिलों में जीवित रहेगा।इस अवसर रिटायर्ड कैप्टन विनोद सिंह रावत मौजूद रहें। उन्होंने बताया कि उनके साथ मिलकर हमने मोहन सिंह के स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानित जीवन की कामना की।ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर सफलता प्रदान करें।

अल्मोड़ा पुलिस ने रिकवर किए 11.14 लाख के 76 मोबाइल

अल्मोड़ा (संवाददाता)। होली के मौके पर अल्मोड़ा पुलिस ने लोगों को खास तोहफा देते हुए गुम हुए 76 मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सौंपे। साइबर सेल की इस कार्रवाई में करीब 11.14 लाख रुपये कीमत के मोबाइल विभिन्न राज्यों से रिकवर किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के नेतृत्व में साइबर सेल की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, दिल्ली, बिहार और राजस्थान समेत विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एसएसपी ने मोबाइल स्वामियों को उनके फोन लौटाते हुए होली की शुभकामनाएं दीं। अपने गुम हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। कई लोगों ने कहा कि उन्हें मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन पुलिस की तत्परता से उनका भरोसा और मजबूत हुआ है। लोगों ने साइबर सेल टीम का आभार जताया। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत संचार साथी पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें और नजदीकी थाने या साइबर सेल को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस पूरी कार्रवाई में प्रभारी एसओजी सुनील धानिक, अपर उपनिरीक्षक फिरोज खान, कांस्टेबल चन्दन सिंह, हरीश प्रसाद, इरशाद उल्ला, गणेश पाण्डे और राजेश भट्ट की अहम भूमिका रही।

धार्मिक स्थल के बाहर मांस के टुकड़े मिलने पर हंगामा

रुद्रपुर (संवाददाता)। रविवार रात महाराणा प्रताप चौक के निकट हल्द्वानी रोड स्थित एक धार्मिक स्थल के गेट के सामने मांस के टुकड़े मिलने से हंगामा हो गया। सूचना मिलते ही सीओ और कोतवाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मंदिर के सामने स्थित दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर एक कुत्ते को वहां उल्टी करते देखा गया। यह जानकारी मिलने के बाद लोग शांत हो गये और पुलिस ने राहत की सांस ली। रविवार रात लगभग दस बजे धार्मिक स्थल के गेट के सामने मांस के कुछ टुकड़े सड़क पर पड़े देखे गए। इसकी सूचना मिलते ही हिन्दूवादी संगठन व अन्य लोग वहां जमा होने लगे। हिंदूवादी संगठनों ने अराजक तत्वों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही कोतवाल प्रकाश सिंह दानू पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और लोगों को जांच का भरोसा दिया। लेकिन संगठनों ने पुलिस से तीखी नोंकझोक करते हुए सड़क पर धरना देकर नारेबाजी शुरू कर दी। जानकारी मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेन्द्र सिंह धौनी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद मंदिर के सामने स्थित दुकान के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। कैमरे की फुटेज में एक कुत्ते को उल्टी में मांस के टुकड़े निकालते देखा गया। पुलिस ने यह बात प्रदर्शनकारियों से सांझा की। इसके बाद लोगों ने प्रदर्शन बंद कर दिया और पुलिस ने राहत की सांस ली। शांति व्यवस्था बनाए रखने को किया फ्लैग मार्च त्योहारी सीजन को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोमवार को पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च किया। इसमें किच्छा कोतवाली और थाना पुलभट्टा का पुलिस बल शामिल रहा। फ्लैग मार्च कोतवाली से शुरू होकर स्टेशन रोड, महाराणा प्रताप चौक, पंजाबी मोहल्ला, बोरिंग गली और आवास विकास क्षेत्र से होते हुए वापस कोतवाली पहुंचकर समाप्त हुआ। सीओ धौनी ने कहा कि त्योहारों के दौरान माहौल खराब करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। फ्लैग मार्च में कोतवाल प्रकाश सिंह दानू, पुलभट्टा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार मिश्रा समेत पुलिस बल शामिल रहा। माहौल खराब करने वालों पर होगी कार्रवाईः सीओ सोमवार को कोतवाली में आयोजित प्रेसवार्ता में सीओ धौनी ने बताया कि रविवार रात सूचना मिली थी कि हल्द्वानी रोड स्थित एक धार्मिक स्थल के सामने मांस के टुकड़े पड़े हैं। जांच में सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट हुआ कि आवारा कुत्ते ने उल्टी में मांस के टुकड़े निकाले थे। सच्चाई सामने आने के बाद अधिकांश लोग शांत होकर लौट गए। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद त्योहार के दौरान माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले कुछ लोगों को चिह्नित कर नोटिस देने की कार्रवाई की जा रही है।

विदेशी मुद्रा में मुनाफे का झांसा देकर 68 लाख ठगे

रुद्रपुर (संवाददाता)। नैनीताल के एक रेस्टोरेंट कारोबारी से विदेशी मुद्रा में निवेश कर मुनाफे का झांसा देकर 68 लाख की साइबर ठगी हो गई। पीड़ित की तहरीर पर साइबर क्राइम थाना पंतनगर ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, नौकुचियाताल नैनीताल निवासी राजेन्द्र कुमार पंत ने बताया कि नैनीताल में उनका खुद का एक रेस्टोरेंट है। अक्तूबर 2025 में फेसबुक के माध्यम से उनकी पहचान रिचा सचदेवा नाम की एक महिला से हुई। महिला ने स्वयं को निवेश कंपनी का मार्केटिंग और फोरेक्स ट्रेडिंग सलाहकार बताया और विदेशी मुद्रा में निवेश पर भारी मुनाफा दिलाने का दावा किया। उसने व्हाट्सएप और टेलीग्राम के माध्यम से लगातार संपर्क बनाए रखा। कंपनी का लोगो और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म दिखाकर विश्वास दिलाया कि निवेश पूरी तरह सुरक्षित और लाभकारी है। झांसे में आकर उन्होंने 23 अक्तूबर 2025 से 13 फरवरी 2026 के बीच 11 अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 68 लाख 4 हजार 800 रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। यह धनराशि देश के अलग-अलग बैंकों में संचालित खातों में भेजी गई। पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने निवेश की गई राशि और मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो साइबर ठग ने टैक्स, मार्जिन मनी, एक्सचेंज फीस और अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त धनराशि की मांग शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें ठगी का अहसास हुआ। साइबर क्राइम थाना पंतनगर प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संबंधित बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल प्लेटफॉर्म की जानकारी खंगाली जा रही है।

पांच लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज

रामनगर (संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने रामनगर के ग्राम कांदला क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा एक व्यक्ति के घर पर परिजनों के साथ फायरिंग करने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया गया है।गुरमीत सिंह पुत्र जनरैल सिंह निवासी ग्राम कंदला , रामनगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते दिन रविवार सुबह को अर्जुन पुत्र गुरदास सिंह निवासी ग्राम कंदला रामनगर,सुमित्रो कौर पुत्री गुरदास सिंह निवासी ग्राम कंदला रामनगर,रोहित गुज्जर निवासी रामनगर,हितेश निवासी रामनगर हिमांशू निवासी रामनगर के द्वारा तमंचो,तलवार आदि के साथ उसके घर में घुस गए और बिना किसी बात के गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से पिस्टल, तमंचो से गोलियाँ बरसाने शुरू कर दी।जिससे वह और उसके परिजन बाल बाल बच गए और घर में छिप कर जान बचाई।पीड़ित व्यक्ति और उसके परिजनों ने आरोपियों का विरोध किया तो उन्होंने तलवार से हमला कर दिया किया।पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि आरोपी उनसे बिना किसी बात के रंजिश रखते हैं और भविष्य में उनके परिवार को जान माल का खतरा बना हुआ है।कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मनीष मल्होत्रा का बोले चूड़ियां से प्रेरित नया आउटफिट, न्यासा देवगन को बनाया अपनी मॉडल

मशहूर कॉस्ट्यूम डिजाइनर मनीष मल्होत्रा अपनी बेहतरीन कारीगरी और टाइमलेस डिजाइन को लेकर जाने जाते हैं। उनके बनाए कपड़े काफी समय तक लोगों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। हाल ही में मनीष ने एक नया आउटफिट तैयार किया है। मनीष का कहना है कि यह आउटफिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के मशहूर गाने बोले चूड़ियां में करीना की ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस आज भी पॉपुलर है। मनीष ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के तौर पर अजय देवगन और काजोल की लाडली न्यासा देवगन को रखा। उन्होंने यह ड्रेस न्यासा पर ट्राई की, जिसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। मनीष ने लिखा, साल 2001 में आई फिल्म कभी खुशी कभी गम का गाना बोले चूड़ियां भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा शुरू करने वाला माना जाता है। इस गाने में पूरा परिवार सज-धजकर डांस करता है। करण जौहर की इस फिल्म में करीना के कपड़े 25 साल बाद भी पॉप कल्चर का हिस्सा हैं और लोग उन्हें याद करते हैं। मनीष ने आगे बताया कि कई सालों से उनके यहां बोले चूड़ियां से प्रेरित आउटफिट बनते रहे हैं। इन ड्रेस को मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के ग्राहकों ने पहना है। अब 2025-26 के नए वर्जन में न्यासा देवगन इस लुक में बेहद आकर्षक दिख रही हैं।मनीष ने करियर को लेकर बताया, मैंने साल 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों में कई नए स्टाइल शुरू किए, जो बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बन गए। अलग-अलग पीढ़ियों में इन डिजाइनों के नए रूप देखने को मिले हैं। इसी वजह से ये कॉस्ट्यूम हमेशा यादगार और टाइमलेस बने रहते हैं। बता दें कि साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना का स्टाइलिश और ग्लैमरस किरदार काफी आइकॉनिक था, जो आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है। उनके किरदार के डांस, डायलॉग, बोल्ड और फैशन-फॉरवर्ड आउटफिट्स से आज की जेनजी भी रिलेट करती हैं।

धुरंधर 2 का ट्रेलर 5 मार्च को होगा रिलीज? 19 मार्च को श्टॉक्सिक्क से होगी मेगा बॉक्स ऑफिस टक्कर

बॉलीवुड में इस समय दो बड़ी फिल्मों को लेकर जबरदस्त चर्चा है। एक तरफ रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म श्धुरंधर 2 है, तो दूसरी ओर साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म श्टॉक्सिक। दोनों ही फिल्में 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही हैं, जिससे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी टक्कर तय मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्धुरंधर 2 का ट्रेलर 5 मार्च को रिलीज किया जा सकता है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता चरम पर है और ट्रेलर रिलीज डेट को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हैं। इस सीक्वल में रणवीर सिंह एक बार फिर हमजा के किरदार में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि इस बार कहानी हमजा के अतीत की परतें खोलेगी कि कैसे वह एक जासूस बना और किन हालातों ने उसकी जिंदगी की दिशा बदल दी। इस पार्ट में अक्षय खन्ना का किरदार नजर नहीं आएगा, जिससे कहानी की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। उधर यश की फिल्म श्टॉक्सिक का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसे दर्शकों से दमदार प्रतिक्रिया मिल रही है। भव्य सेट, एक्शन और बड़े पैमाने पर बनाई गई इस फिल्म को लेकर भी जबरदस्त बज बना हुआ है। चूंकि दोनों फिल्में एक ही दिन रिलीज हो रही हैं, ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कमाई को लेकर मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि ओपनिंग वीकेंड पर स्क्रीन काउंट और एडवांस बुकिंग का बड़ा असर देखने को मिल सकता है। श्धुरंधर्श्र का पहला भाग दर्शकों के बीच आज भी लोकप्रिय है। फिल्म के गाने और डायलॉग सोशल मीडिया पर लगातार ट्रेंड करते रहते हैं। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे के दौरान साझा किए गए एक वीडियो में भी फिल्म के गाने की झलक देखने को मिली थी, जिससे इसकी चर्चा और बढ़ गई।इसके अलावा जब श्धुरंधर्श्र को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया, तो यह प्लेटफॉर्म पर ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल रही। डिजिटल सफलता के बाद अब इसके सीक्वल से भी बड़ी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। 19 मार्च को दर्शकों के पास दो बड़े विकल्प होंगे, एक तरफ जासूसी थ्रिलर का रोमांच, तो दूसरी ओर बड़े पैमाने की एक्शन एंटरटेनर। अब देखना दिलचस्प होगा कि दर्शक किस फिल्म को ज्यादा पसंद करते हैं और बॉक्स ऑफिस पर किसकी कमाई का ग्राफ ऊंचा जाता है। फिलहाल सभी की निगाहें 5 मार्च पर टिकी हैं। क्या सच में श्धुरंधर 2 का ट्रेलर उसी दिन रिलीज होगा? आधिकारिक ऐलान का इंतजार जारी है।

सुबेदार से गाना बालम सूबेदार रिलीज, हरियाणवी ट्यून पर दिखा अनिल कपूर का रौबदार स्वैग

फिल्म सूबेदार का नया ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो श्बालम सूबेदार्श्र आज रिलीज हो गया है. इस गाने में अनिल कपूर सूबेदार अर्जुन मौर्य और खुशबू सुंदर सुधा के किरदार में नजर आ रही हैं. आइकॉनिक ट्रैक के इस नए अंदाज को सुनकर आप इसे लंबे समय तक गुनगुनाते रहेंगे. रीइमेजिन किया गया यह गाना सूबेदार अर्जुन मौर्य और उनकी पत्नी सुधा के रिश्ते की एक खास झलक पेश करता है. यह वीडियो दिखाता है कि कैसे सुधा को अपने सूबेदार पर गर्व है और कैसे उनका प्यार अर्जुन को वर्दी के बाहर भी मजबूती देता है. यह गाना अर्जुन और सुधा के रिश्ते को केंद्र में लाता है और फिल्म की दुनिया में गर्मजोशी और खास आकर्षण जोड़ता है. सुधा को अपने सूबेदार पर गर्व और दोनों की सहज केमिस्ट्री अर्जुन मौर्य के किरदार को भावनात्मक गहराई देती है. एक ऐसा शख्स जो वर्दी में सम्मान पाता है और घर पर सच्चा प्यार. विजुअल्स इस कहानी को और भी प्रभावशाली बनाते हैं, जहां नॉस्टेल्जिया और भावुक पलों का खूबसूरत मेल दिखाई देता है. श्बलम सूबेदार्श्र को रुत्विक तलाशिलकर ने कंपोज किया है. इस रीक्रिएटेड वर्जन को जीडी कौर ने अपनी आवाज दी है. यह गाना मूल रूप से राज मावर द्वारा रियल म्यूजिक प्रोडक्शन के लिए तैयार किया गया था. इसके नए बोल यंगवीर ने लिखे हैं और म्यूजिक सुपरविजन आकाशदीप सेनगुप्ता ने किया है.फिल्म श्सूबेदार्श्र का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है और इसका निर्माण विक्रम मल्होत्रा, अनिल कपूर और सुरेश त्रिवेणी ने मिलकर किया है. फिल्म में अनिल कपूर और राधिका मदन मुख्य भूमिकाओं में हैं. साथ ही सौरभ शुक्ला , आदित्य रावल , फैसल मलिक , मोना सिंग और खुशबू सुंदर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. श्सूबेदार्श्र 5 मार्च को हिंदी, तमिल और तेलुगु में भारत सहित 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो इंडिया पर स्ट्रीम होगी.

मम्मी-पापा की 40वीं सालगिरह पर टूर गाइड बनीं श्रिया पिलगांवकर, वियतनाम में मनाया जश्न

मशहूर अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर हाल ही में अपने माता-पिता के साथ वियतनाम की सैर करके वापस लौटी हैं। उन्होंने बताया कि पेरेंट्स के साथ किसी ट्रिप पर जाना फिल्म बनाने से कम नहीं है। पिलगांवकर ने इंस्टाग्राम पर कुछ झलकियां शेयर कीं, जिसमें वे अपने माता-पिता के साथ खूब मजे करती नजर आ रही हैं। श्रेया ने लिखा, जब मम्मी-पिता ही बच्चों जैसे बन जाएं, तब परिवार के साथ छुट्टियां किसी फिल्म से कम नहीं लगतीं। थोड़ी भागदौड़ और हलचल तो होती है, लेकिन यही पल सबसे प्यारी यादें बन जाते हैं। माता-पिता को घुमाने ले जाना बहुत खास एहसास देता है। श्रिया ने आगे बताया, परिवार के साथ छुट्टियां प्लान करना आसान नहीं होता, इसलिए मौका मिले तो हम उसे कभी हल्के में नहीं लेते। हाल ही में मम्मी-पापा की शादी की 40वीं सालगिरह थी तो मैंने एक छोटा सा ट्रिप प्लान किया। इस दौरान मैं उनकी पूरी टूर गाइड बनी रही। तस्वीरों में वियतनाम की खूबसूरत जगहों पर परिवार की मस्ती साफ दिख रही है। यह ट्रिप उनके लिए बेहद यादगार साबित हुई। बता दें कि श्रिया पिलगांवकर 90 के दशक के अभिनेता सचिन पिलगांवकर और अभिनेत्री सुप्रिया पिलगांवकर की बेटी हैं। श्रेया ने भी अपने माता-पिता की तरह सिनेमा की दुनिया में अपने करियर को बनाने का फैसला लिया। बचपन से ही श्रेया फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम करती रहीं और छोटे किरदारों के जरिए अपने अभिनय को निखारा। साल 2010 में श्रेया ने चल चलिए नाम की शॉर्ट फिल्म से

अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने एक कुल्टी जैसी कुछ कहानियों के जरिए अपना नाम बनाने की कोशिश की है। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म हैवान में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। इस बात की जानकारी उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इस फिल्म की शूटिंग के कुछ भाग ऊंटी में शूट किए गए थे। फिल्म में सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ में नजर आएंगे। दोनों लगभग 18 सालों के बाद स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे, जिसे देखने के लिए प्रशंसक और भी ज्यादा उत्साहित हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

नगर निगम की जमीन की रजिस्ट्री कराने की डील कर लाखों हड़पने में पूर्व पार्षद दंपति पर केस

देहरादून(संवाददाता)। नगर निगम की जमीन की रजिस्ट्री कराने का झांसा दे पूर्व भाजपा पार्षद राकेश वाल्मीकि उर्फ तिनका और उसकी पत्नी नीतू वाल्मीकि ने 42.50 लाख रुपये हड़प लिए। मुख्यमंत्री के दरबार में की गई शिकायत के बाद रायपुर थाना पुलिस रविवार को आरोपी दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जोगीवाला, हरिद्वार रोड निवासी पर्व वालिया ने मुख्यमंत्री के यहां शिकायत दी। बताया कि पूर्व पार्षद नीतू वाल्मीकि और उनके पति राकेश वाल्मीकि ने उन्हें नगर निगम की एक जमीन दिखाई थी। आरोपियों ने दावा किया कि निगम यह जमीन आवंटित कर रहा है। पार्षद होने का रौब गालिब करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी ऊपर तक सेटिंग है और वे यह जमीन उनके नाम करवा देंगे। इसके एवज में आरोपियों ने अलग-अलग समय पर पीड़ित से करीब 70 से 75 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने प्रधानमंत्री के सलाहकार, निजी सचिव और अन्य वीआईपी के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर अपने रसूख का हवाला दिया। रकम देने के बाद काफी समय बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई। तब पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और रकम वापस मांगी। इस दौरान दंपति ने धमकाना शुरू कर दिया। उन्होंने धमकी दी कि अगर पैसे मांगे तो एससी-एसटी एक्ट में गिरफ्तार करवा देंगे। बाद में पता चला कि ये दंपति पहले भी कई लोगों के साथ इसी तरह का फर्जीवाड़ा कर चुके हैं। पीड़ित के अनुसार दबाव बनाने पर रायपुर थाने में दोनों पक्षों के बीच एक समझौता हुआ था। तब आरोपी राकेश ने आठ लाख रुपये वापस किए थे और पुलिस के सामने लिखित समझौता किया था कि वह बाकी बचे 42.50 लाख रुपये दो महीने के भीतर लौटा देगा। इस बात को 4-5 महीने बीत चुके हैं। पीड़ित थाने के चक्कर काट रहा है। आरोपी अपनी ऊंची पहुंच का हवाला देकर पुलिस के सामने पेश नहीं हो रहा है। मां के कैंसर के इलाज को परेशान पीड़ित पीड़ित पर्व वालिया ने बताया कि उनकी मां मुंह के कैंसर से जूझ रही हैं और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उनका महंगा इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार...

25 लाख के चेक बाउंस के दोषी पर 30 लाख जुर्माना

देहरादून(संवाददाता)। न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय प्रतीक कपिल की अदालत ने चेक बाउंस के दोषी पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। दोषी को तीन महीने कारावास की सजा भी सुनाई गई है। जुर्माने की रकम में दो हजार रुपये राज्य के कोष में जमा होंगे। धर्मपुर डांडा निवासी विक्रम सिंह पंवार ने वर्ष 2018 में परिचित तरन काला निवासी भूड़पुर, शिमला बाईपास रोड, नया गांव को 25 लाख रुपये उधार दिए थे। इस उधारी को चुकाने के लिए 5-5 लाख रुपये के पांच चेक दिए गए थे। बैंक में लगाए तो बाउंस हो गए। तब पीड़ित ने कोर्ट में अपील की। अदालत ने आदेश दिया कि जुर्माने की 30 लाख रुपये की राशि में से 29 लाख 98 हजार रुपये परिवादी विक्रम सिंह पंवार को बतौर क्षतिपूर्ति दिए जाएंगे। वहीं, शेष दो हजार रुपये राजकीय कोषागार में जमा कराए जाएंगे। जुर्माना न चुकाने की स्थिति में दोषी को एक महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

अंतर्राष्ट्रीय वेस्ट पिकर्स डे पर 32 वेस्ट वर्कर्स . 28 एमआरएफ सेटर कर्मियों को किया सम्मानित

देहरादून(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय वेस्ट पिकर्स डे के अवसर पर हिलदारी एवं नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में एमआरएफ सेंटर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 32 वेस्ट पीकर्स को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय वेस्ट पिकर्स डे के अवसर पर सोमवार को 32 वेस्ट पिकर्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही 28 एमआरएफ वर्कर्स को भी सम्मान प्रदान किया गया। कर्मियों को जैकेट एवं ग्लव्स भेंट किए गए, जबकि एमआरएफ कर्मचारियों को पहचान पत्र आईडी कार्ड भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में पालिका अधिशासी अधिकारी रजनीश डोबरियाल, सेनेटरी इंस्पेक्टर विरेंद्र सिंह बिष्ट सहित एमआरएफ टीम से लोकेश, मोहन और राजेश मौजूद रहे।

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज ने जीता मैच

देहरादून(संवाददाता)। भारतीय युवा खेल परिषद 15 वीं राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता 22 फरवरी राजीव गांधी स्पोर्ट्स कंपलेक्स सिंधु बॉर्डर दिल्ली में प्रतियोगिता आयोजित हुईइसमें पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजपुर रोड देहरादून की बालिकाओं ने अंडर 17 में कबड्डी फाइनल मुकाबले में उत्तरप्रदेश को हराकर उत्तराखंड बना चौंपियन और बैडमिंटन में जीत दर्ज की।कोच हरेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि यह केवल एक शुरुआत है मिशन 2036 ओलंपिक भारत का यह बालिकाएं प्रतिनिधित्व करेंगे।

बेकाबू रफ्तार का कहर, मजदूर को रौंद वाहन चालक फरार

हरिद्वार(संवाददाता)। श्यामपुर के कांगड़ी इलाके में सोमवार तड़के करीब पांच बजे नेशनल हाईवे पार कर रहे 25 वर्षीय मजदूर को तेज रफ्तार वाहन ने कुचल दिया। मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस इस प्रकरण की जांच कर रही है। ढाबे से निकला, घर नहीं पहुंच सका: पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान संजय (25) पुत्र भगवान निवासी गंगोवाला सिकंदर बिजनौर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। वह मजदूरी कर घर वापस लौट रहा था।

वंचित वर्गों के शैक्षिक उन्नयन को कार्य करने की आवश्यकता

देहरादून(संवाददाता)। दून विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की ओर से सोमवार को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ अंबेडकर चेयर और पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ अम्बेडकर चेयर के मध्य इंटर चेयर कोलॉक्वियम कास्ट जेंडर एवं क्लाइमेट जस्टिस विषय पर आयोजित किया गया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों के शैक्षिक उन्नयन के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो एचसी पुरोहित ने कहा कि बाबा साहब आम्बेडकर के दर्शन, विचारों और कार्यों पर अध्ययन व शोध संचालित करने की दृष्टि से दून विश्वविद्यालय में स्थापित अम्बेडकर चेयर और पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित अम्बेडकर चेयर के मध्य आने वाले दिनों में शोध एवं शिक्षण कार्यों को संचालित व प्रेरित किया जाएगा। इससे जनसामान्य से जुड़े विषयों के समाधान का प्रभावी व दीर्घकालीन हल निकालने में सहायता मिलेगी। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय भटिंडा के डॉ अम्बेडकर चेयर के प्रो. कन्हैया त्रिपाठी ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों के शैक्षिक उन्नयन के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने महिला सशक्तीकरण और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों और समस्याओं के दीर्घकालीन समाधान खोजने की दिशा में सतत प्रयासों पर जोर दिया। दून विश्वविद्यालय के डॉ अम्बेडकर चेयर के प्रो हर्षपति डोभाल ने कहा कि समाज में समरसता और नीति निर्धारण में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता कैसे सुनिश्चित हो, इस विषय पर गंभीर विचार एवं अध्ययन करने की आवश्यकता है। इस दौरान डॉ हिमानी शर्मा, डॉ चेतना पोखरियाल, डॉ नरेन्द्र रावल, डॉ आबसार अब्बासी, डॉ राजेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

मसूरी में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया

देहरादून(संवाददाता)। टाउन हाल में आयोजित होली मिलन कार्क्रम में शहरवासियों व नेताओं ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के बीच जमकर नृत्य किया व एक दूसरों को गुलाल लगाया व फूलों की होली खेली। सोमवार को नगर निगम के टाउन हाल में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया । पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी एवं अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। कहा कि सभी शहरवासी व संस्थाएं मिलकर होली मनाएं आपसी गिले शिकवे दूर करें। मतभेद दूर करे व शहर के विकास में मिलकर आगे बढ़े। पालिका अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन ने कहा कि होली का पर्व आपसी गलत फहमियों को दूर करता है, सभी मिलकर होली खेलें। पालिकाध्यक्ष मीरा सकलानी ने सभी को रंग लगाया व फूलों की होली खेली गई। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ जमकर नृत्य किया गया। इस मौके पर पालिका सभासद रणवीर कंडारी, गौरी थपलियाल, गौरव धनप्रकाश, नागेंद्र उनियाल, महेश् चंद्र, अनिल गोदियाल, कमल शर्मा, कमला थपलियाल, अनीता धनाई, विजय बुटोला, पालिका कर अधीक्षक अनिरूद्ध प्रताप सिंह, कार्यालय अधीक्षक चंद्रप्रकाश बडोनी, विरेंद्र बुटोला, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं, हिमवंत महिला समूह ने एक होटल में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं ने फूलों व गुलाल की होली खेली व जमकर नृत्य करने के साथ ही मनोरंजक खेल खेले गए। हिमवंत महिला समूह की अध्यक्ष पुष्पा पडियार ने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति का पर्व है जिसमें आपसी मतभेद भुलाकर सभी एक होकर इस पर्व को मनाते हैं। -- होलिका दहन हुआ पर्यटन नगरी मसूरी में बुराई पर सच्चाई की जीत का पर्व होलिका दहन पूरे धूमधाम से किया गया। इस मौके पर श्री सनातन धर्म मंदिर की ओर से लंढौर साउथ रोड स्थित होलिका मैदान में होलिका का दहन गाजे बाजे के साथ किया गया। राधाकृष्ण मंदिर की ओर से कुलड़ी भगत सिंह चौक पर होलिका का दहन किया गया। लाइब्रेरी में गांधी चौक पर लक्ष्मी नारायण मंदिर की ओर से सामूहिक होलिका का दहन पारंपरिक रीति रिवाज के साथ किया गया। वहीं महिलाओं ने होलिका की सुबह से पूजा अर्चना की प्रसाद चढाया व होलिका की परिक्रमा की। इसके बाद शाम को पूरे उत्साह व पूजा अर्चना के साथ होलिका का दहन किया गया। सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

माल्टा रस के साथ मनाये होली

देहरादून(संवाददाता)। धाद संस्था ने होली के साथ शुरू हो रही गर्मियों में लोगों से माल्टा रस पीने की अपील की। सोमवार को बुढ़ दादी मिलेट कैफे मे होली मिलन के आयोजन मे होलियारों ने गीतों के साथ माल्टा की मिठास का आनंद भी लिया। आयोजन में सुशील पुरोहित,शान्ति बिन्जोला,सरिता मैंदोलिया,हेमलता उनियाल,श्रीयांश उनियाल ने गढ़वाल और नीतू फुलेरा और उनके परिजनो ने कुमाऊं की होली के गीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर माल्टा रस बॉटल का शुभारंभ भी किया गया। धाद के सचिव तन्मय ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से पहाड़ में हो बहुतायत मे हो रहे फल माल्टे के पक्ष मे धाद समाज और शासन के ध्यान आकृष्ट करने के लिए अभियान चला रही है। इसमें इस वर्ष सामाजिक अभियान के रूप मे माल्टा फल को उचित मूल्य दिलवाने के साथ फंची सहकारिता के सहयोग से माल्टा रस को बॉटल के रूप मे भी तैयार किया गया है और आम समाज से होली और आने वाली गर्मियों में उसे अपनाने की अपील की गई है। धाद के उपाध्यक्ष डीसी नौटियाल ने कहा कि धाद ने उत्तराखंड के लोक पर्व को सामाजिक उद्देश्य के साथ जोड़ने की हमेशा पहल की है। हरेला, इगास,फूलदेई के साथ हमने इस बार होली को पहाड़ के फलों के रस के उपयोग से जोड़ने का प्रयास किया है।

एशियन माउंटेन बाइक सीरीज में अश्विन रौथान ने जीता ब्रांज मेडल

देहरादून(संवाददाता)। हिमाचल प्रदेश के बीर बिलिंग में आयोजित एशियन माउंटेन बाइक सीरीज में सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल के छात्र अश्विन रौथान ने अंडर-18 वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रांज मेडल जीता। प्रतियोगिता में भारत, जापान, मलेशिया और इंडोनेशिया सहित चार देशों के 150 से अधिक साइकिलिस्टों ने प्रतिभाग किया। अश्विन ने 20 किलोमीटर लंबे कठिन ऑफ-रोड ट्रैक पर अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले फरवरी में अरुणाचल प्रदेश में आयोजित 22वीं नेशनल माउंटेन बाइकिंग चौंपियनशिप में भी अश्विन ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com